सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 104 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 18 मई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जीवन ताश के पत्तों के खेल की तरह है। आपके हाथ में जो है वह नियति है, जिस तरह से आप खेलते हैं वह स्वतंत्र इच्छा है।

-जवाहरलाल नेहरु

लखनऊ की जीत के साथ आईपीएल... 7 | भाषण में अब आया बजट और... 3 | 4 जून के बाद भाजपा नौ दो ग्यारह... 2

पांचवें चरण की लड़ाई को नेता तैयार, थमेगा प्रचार का प्रहार

सोमवार को होगा मतदान, टेंशन दे रहा चढ़ता तापमान

» 8 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों की कुल 49 सीटों पर वोट डालेंगे मतदाता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार को पांचवे चरण का मतदान है। मौसम के चढ़ते तापमान के बीच सभी सियासी दलों ने वोटरों से ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील की है। उधर शनिवार को चुनावी प्रचार भी थम जाएगा। सभी नेताओं ने ताबड़तोड़ जनसभाओं में अननी सरकार बनाने का दावा करते हुए जनता की खुशहाली के वादे किए हैं। भाजपा की ओर प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा समेत सभी विपक्ष को घरे रहे हैं। वहीं कांग्रेस की ओर अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी,सोनिया गांधी व सपा नेता अखिलेश यादव मोदी सरकार पर जोरदार हमला कर रहे है। उधर बढ़ती गर्मी से चुनाव आयोग भी टेंशन में है।

हालांकि उसने मतदाताओं को बूथ तक ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचाने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। 20 मई को होने वाले मतदान के दौरान छह राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड और दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख की कुल 49 सीटों पर मतदाता वोट डालेंगे। पांचवें दौर में जिन सीटों पर मतदान है, उनमें उत्तर प्रदेश की 14, महाराष्ट्र की 13, पश्चिम बंगाल की सात, बिहार और ओडिशा की पांच-पांच सीटें शामिल हैं। इसके अलावा, झारखंड की तीन, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की एक-एक सीट पर भी इसी चरण में मतदान होना है। पांचवें चरण में जिन सीटों पर वोटिंग होनी है, वहां 2019 में कुल 62.01प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था।

राजनाथ, उमर व राहुल का होगा फैसला

देश में इस वक्त लोकसभा के चुनाव हो रहे हैं। अब तक लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया के चार चरण पूरे हो चुके हैं। वहीं पांचवें दौर का चुनाव प्रचार आज थम जाएगा। पांचवें चरण के लिए एक संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 14 है। जिन उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर है उनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समेत कई हाई-प्रोफाइल चेहरे भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश की लखनऊ लोकसभा सीट इस चुनाव में एक चर्चित सीट बनी हुई है। यहां से भाजपा की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चुनाव मैदान में हैं। भाजपा नेता के सामने सपा ने रविदास मेहरोत्रा को अपना उम्मीदवार बनाया है। बसपा ने लखनऊ में सरवर मलिक को प्रत्याशी बनाया है। 2019 लोकसभा चुनाव में सीट पर भाजपा से राजनाथ सिंह जीते थे। 2019 में लखनऊ सीट पर 54.78प्रतिश मतदान दर्ज किया गया था। उत्तर प्रदेश की जिन सीटों की सबसे ज्यादा चर्चा होती है, उनमें से एक रायबरेली लोकसभा सीट भी है। ये राज्य की इकलौती सीट है जहां 2019 में कांग्रेस को जीत मिली थी। तब सोनिया गांधी यहां से जीतकर लोकसभा पहुंची थीं। सोनिया अब राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुकी हैं। कांग्रेस ने काफी इंतजार के बाद रायबरेली से राहुल गांधी को चुनाव मैदान उतारा है। भाजपा ने यहां दिनेश प्रताप सिंह को अपना प्रत्याशी घोषित किया है।

कांग्रेस बोली - जनता लड़ रही है जनता जीतेगी

लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवे चरण के मतदान से पहले इंडिया गठबंधन के नेताओं ने शनिवार (18 मई 2024) को मुंबई में एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट पर जमकर हमला किया। महाराष्ट्र में गैरकानूनी सरकार धोखे और साजिश के आधार पर बनाई गई जिसका समर्थन खुद पीएम कर रहे हैं। राज्य में पीएम मोदी की कई रैलियां हो रही हैं, वह लोगों के बीच दरार पैदा करने की कोशश करते हैं, मोदी लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं, शायद ही कोई पीएम ऐसा करता होगा। 53 साल से मैं भी राजनीति में हूं, पवार साहब हमसे 5 साल आगे हैं और उद्धव ठाकरे जी भी सक्रिय है, मेरा यही कहना है कि विश्वासघात की राजनीति हो रही है... विपक्ष को तोड़ा जा रहा है।

» महाराष्ट्र में 48 में से हमें 46 सीटें मिलेंगी

दिल्ली पुलिस ने बिभव कुमार को हिरासत में लिया

» सीएम आवास से पुलिस ने किया डिटेन

» आरोपी ने पुलिस को कॉपरेट करने का मेल भेजा

» स्वाति मालीवाल की मेडिको लीगल रिपोर्ट आई सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप सांसद स्वाति मालीवाल मारपीट मामला अभी भी तूल पकड़ता जा रही है। जहां इस मुद्दे पर आप और भाजपा में वार-पलटवार जारी है वहीं पुलिस भी पूरी तरह से सक्रिय हो गई है। दिल्ली पुलिस ने सीएम अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को हिरासत में ले लिया है। इससे पहले स्वाति मालीवाल की मेडिको लीगल रिपोर्ट सामने आ गई है। उनका टेस्ट एम्स में किया गया, जहां वह एक निजी वाहन से पहुंची थी।

रिपोर्ट के मुताबिक उनके उल्टे पैर पर और चेहरे पर आंख के नीचे चोट का निशान है। मुख्यमंत्री के आवास से बिभव कुमार को हिरासत में लिया गया है। पुलिस को एक मेल भी बिभव कुमार की तरफ से किया गया था कि उसे जानकारी मिली है कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। वो पुलिस को कॉपरेट करने के लिए तैयार है। इसके बाद पुलिस की टीम वहां पहुंची। बिभव कुमार पर स्वाति मालीवाल से मारपीट करने का आरोप है। पुलिस ने मालीवाल की शिकायत के आधार पर दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के पूर्व निजी सचिव और सहायक बिभव कुमार पर केस दर्ज कर लिया है। दिल्ली पुलिस जिसके बाद से बिभव कुमार की तलाश कर रही थी।

भाजपा कर रही है साजिश : आतिशी

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि स्वाति मालीवाल पर एंटी करप्शन ब्यूरो का एक भर्ती घोटाले का मामला चल रहा है। अब इस मामले में जांच चल रही है। इसलिए ऐसा लगता है कि भाजपा का ये जो फॉर्मूला है कि अलग-अलग नेताओं पर केस करना, उसी फॉर्मूले को स्वाति मालीवाल पर इस्तेमाल किया गया होगा। हमें विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि पिछले कुछ महीनों से वे (स्वाति मालीवाल) लगातार भाजपा के नेताओं के संपर्क में हैं तो दिल्ली पुलिस इस बात की जांच करे कि ये कैसा षडयंत्र है। इस पर पूरी जांच होनी चाहिए कि स्वाति मालीवाल किस तरह से भाजपा के संपर्क में थीं। जिस तरह विपक्षी नेताओं को ब्लैकमेल करने और उन्हें भाजपा में शामिल करने के लिए ईडी, सीबीआई, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, आयकर विभाग, आर्थिक अपराध शाखा का इस्तेमाल किया गया, उसी तरह स्वाति मालीवाल मामले में भी यही फॉर्मूला प्रयोग किया गया है। स्वाति मालीवाल के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने केस किया है, एफआईआर हो चुकी है और जांच चल रही है और इसी का इस्तेमाल करते हुए स्वाति मालीवाल से ये साजिश रची गई और उन्हें मोहरे की तरह इस्तेमाल किया गया।

बिभव ने कहा- मुझे फंसाने की कोशिश कर रही स्वाति

अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव ने स्वाति मालीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार ने सिविल लाइंस पुलिस थाने के एसएचओ को ईमेल के जरिए शिकायत की है। इसमें उन्होंने कहा कि मालीवाल झूठे आरोप लगाकर उन्हें फंसाने की कोशिश कर रही हैं। शिकायत में कहा गया है कि जब स्वाति मालीवाल केजरीवाल से मिलने गई थीं तो उन्होंने मुख्यमंत्री आवास पर उनके साथ मारपीट की थी। विभव ने इसकी एक कॉपी पुलिस उपायुक्त को भी भेजी है।

4 जून के बाद भाजपा नौ दो ग्यारह हो जाएगी : अखिलेश

कहा– हर चरण में जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है

» बोले- जो कहते थे न खाएंगे न खाने देंगे, वह सब गटागट गटागट डकार गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख ने रायबरेली में आयोजित एक जनसभा में भाजपा व मादी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक और एक ग्यारह होता है और भाजपा नौ दो ग्यारह हो गई है। चार चरणों में भाजपा चारों खाने चित हो गई है। भाजपा वाले किसानों पर चार काले कानून लागू कर रहे थे। किसानों को लड़ना पड़ा। कभी पीछे नहीं हटे।

किसानों पर काले कानून लागू करने वाले भाजपा के लोग किसानों की जमीन पर कब्जा करना चाहते थे। उनकी हर बात झूठी निकली। न केवल किसानों को धोखा दिया बल्कि नौजवान जानते हैं कि पेपर लीक करा दिया। इन्होंने जानबूझ कर पेपर लीक कराए, ताकि इन्हें नौकरी न देना पड़े। इन्होंने नौजवानों का एक तिहाई जीवन बर्बाद कर दिया। दिल्ली वालों ने जब से सुना है कि गरीबों के लिए फैसले लेने वाले हैं तो एक के बाद खटाखट विदेश भाग गए। जनता कह रही है कि आपको खटाखट फटाफट हटा देंगे। जो कहते थे न खाएंगे न खाने देंगे। वह सब डकार गए हैं। गटागट गटागट। इलेक्टोरल बांड खाने के बाद डकार तक नहीं ली। यह हमारे आप के भविष्य का चुनाव तो है ही साथ ही आने वाली पीढ़ी के भविष्य

सपाई भी राममक्त, भाजपाई अपनी पूजा करवाना चाहते हैं : सपा प्रदेश अध्यक्ष

समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि सपाई भी राममक्त हैं। गृहमंत्री अमित शाह रैलियों में कहते हैं, इस बार मेरी सरकार और बना दो, अभी तो मैं भगवान को लाया हूं। उन्होंने सवाल किया कि ये बताएं कि भाजपाई भगवान से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। चाहते हैं इस देश में भाजपाइयों की पूजा हो। ये लोग अपनी पूजा कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग तो राम के भक्त हैं। हम लोग राम कुल के हैं। वह शहर से सटे पोर्टरगंज में बने सपा के चुनाव कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। कहा कि देश में 90 प्रतिशत वंचितों और गरीबों की आवाज नहीं सुनी जा रही है। किसान, मजदूर, महिलाएं सभी पीड़ित हैं। भाजपा के लोग गरीबों, महिलाओं व किसानों का हक मारना चाहते हैं। भारतीय संविधान को सामंतवादी व पूंजीवादी लोग खत्म करना चाहते हैं। नेताजी मुलायम सिंह यादव ने महिलाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया। वह कहते थे बेटियों को स्कूल-कॉलेज भेजो। बेटियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए तमाम योजनाएं चलाईं।

भाजपा वालों ने हर चीज महंगी कर दी

अखिलेश यादव ने जनता से सवाल किया दस साल पहले मोटरसाइकिल की क्या कीमत थी। अब कितनी है। बिजली महंगी कर दी। न कोई सुविधा दी। भाजपा के लोगों ने आपके साथ धोखा किया बल्कि किसानों की बोरी से भी चोरी की है। नैनो यूरिया को बिकवाने के लिए नया फार्मूला निकाला है। यह सुनने में आ रहा है कि जिसने नैनो यूरिया बनाई वह भारत छोड़कर चला गया है। इंडिया गठबंधन गरीबों के लिए फैसला लेगा।

लखनऊ में रोड शो, सड़कों पर उमड़ी भीड़

अखिलेश यादव ने लखनऊ के सपा प्रत्याशी रविदास मल्होत्रा के समर्थन में रोड शो किया। इस रोड शो में भारी भीड़ जुटी। लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम से शुरू हुआ यह रोड शो शहर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ आंबेडकर प्रतिमा के पास संपन्न हुआ। रोड शो दोनों तरफ सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे। मालूम हो कि रविदास मल्होत्रा की टक्कर भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह से है। लखनऊ में 20 मई को वोटिंग होनी है। अखिलेश यादव का रोड शो केडी सिंह बाबू स्टेडियम से शुरू होकर हिंदी संस्थान, हलवासिया मार्केट, मेफेयर तिराहा, क्रिस्टल लीना सिनेमा मोड़, लव लेन, गांधी आश्रम, हजरतगंज हनुमान मंदिर से होते हुए हजरतगंज स्थित अंबेडकर प्रतिमा पर समाप्त हुआ। एक किलोमीटर से भी कम दूरी तय करने में अखिलेश यादव को करीब डेढ़ घंटे का समय लग गया। इस दौरान सपा प्रत्याशा रविदास मेहरोत्रा समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

कोई भी सरकार संविधान नहीं बदल सकती : गडकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि कोई भी सरकार डॉ. बी आर आंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान को नहीं बदल सकती है और कांग्रेस झूठ फैला रही है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे बदलने की योजना बना रही है।

वह नासिक लोकसभा सीट से सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार शिवसेना के हेमंत गोडसे के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। भाजना नेता गडकरी ने कहा, ''डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा बनाये गये संविधान को कोई भी सरकार नहीं बदल सकती। केवल इसमें संशोधन किया जा सकता है। कांग्रेस ने 80 बार संविधान में संशोधन करने का पाप किया है। इसके बावजूद वे दुष्प्रचार कर रहे हैं कि हम संविधान बदल देंगे।'' गडकरी ने कहा कि ''सब का साथ, सबका विकास'' नरेन्द्र मोदी सरकार का मंत्र है जिसने किसी भी समुदाय के साथ भेदभाव किए बिना विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं।

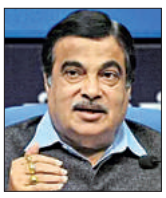

भाजपा के ढोल की खुल गई पोल : कमलनाथ

» चुनाव को सांप्रदायिक रंग देने का आरोप लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में भले ही लोकसभा चुनाव 2024 के सभी चार चरणों की वोटिंग पूरी हो गई, लेकिन नेताओं की जुबानी जंग जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ लगातार सोशल साइट एक्स के माध्यम से भाजपा पर हमलावर है। नाथ हर दिन कुछ न कुछ एक्स (ट्वीट) कर खबरों में बने रहते हैं। उन्होंने पोस्ट कर लिखा कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा के ढोल की पोल खुल गई है।

भारतीय जनता पार्टी शुरू से ही चुनाव को सांप्रदायिक रंग देने और जनता को बुनियादी मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है। लेकिन, जनता शिक्षा, रोज़गार, महंगाई और विकास जैसे बुनियादी मुद्दों पर टिकी हुई है। यह चुनाव देश की जनता की जागृति की अद्भुत मिसाल है। जनता को समझ में आ गया है कि देश का विकास मतलब जन-जन का विकास होता है। अब भारत के 140 करोड़ लोगों को अच्छी तरह समझ आ गया है कि देश के विकास का मतलब जन-जन का विकास होता है।

जुमला साबित होगा 400 पार का नारा : भूपेंद्र हुड्डा

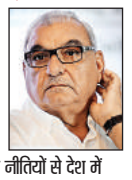

भाजपा का 400 पार का नारा जुमला साबित होगा। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान कहे। हुड्डा ने कहा कि देश और प्रदेश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी अपनी चरम सीमा पर है। केंद्र और प्रदेश सरकार की गलत नीतियों से देश में महंगाई और बेरोजगारी बड़ी है। भाजपा सरकार ने देश की साधारण जनता पर इतने कर लगा दिए हैं कि लोग परेशान हैं। गांवों में बेरोजगारों की फौज एवं महंगाई भाजपा सरकार की नीतियों का नतीजा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

महाराष्ट्र का स्वाभिमान तोड़ना चाहती है बीजेपी : आदित्य ठाकरे

» बोले- सीएम के बीमार होने पर हुई पार्टी तोड़ने की कोशिश

» लोकसभा चुनाव में अधिकतम सीट जीतेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे के बेटे और शिव सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा है कि पद आते-जाते रहेंगे लेकिन अगर आप काम करते रहेंगे तो लोग आपका समर्थन करेंगे। आदित्य ने कहा कि हमने फैसला किया कि हम उन लोगों (एकनाथ शिंदे और अन्य शिवसेना नेताओं जब उन्होंने पार्टी के खिलाफ बगावत की थी) को नहीं रोकेंगे, जो हमें छोड़ रहे थे।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले विद्रोही खेमे के बीजेपी के साथ गठबंधन करने पर पार्टी के विभाजन पर बोलते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि उन्हें सरकारी आवास छोड़ने का कोई पछतावा नहीं है। ये आएगा और जाएगा। मुख्य मुद्दा यह है कि उन्होंने हमें क्यों छोड़ा। महाराष्ट्र में भी बीजेपी ज्वाइन करो या जेल जाओ नीति लागू की गई। आदित्य ठाकरे वर्ली से विधायक भी हैं, ने उल्लेख किया कि लोग उन्हें कोविड समय के दौरान उनकी सेवा के लिए धन्यवाद देते हैं और आशा करते हैं कि वे सरकार में वापस आएंगे। शिवसेना में विभाजन हुआ तो उद्धव ठाकरे के स्वास्थ्य पर बोलते हुए, आदित्य ने कहा कि उनके पिता के दो ऑपरेशन हुए थे।

भाषण में अब आया बजट और राशन

पांचवे चरण के मतदान से पहले नये मुद्दे उछले

- कांग्रेस के वादे से सियासी घमासान
- बीजेपी के 5 किलो अन्न के बदले कांग्रेस के दस किलो अन्न देने का वादा
- खरगे के ऐलान के बाद भाजपा परेशान
- गारंटियों परगारंटिया दे रहे हैं सब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांचवें चरण के मतदान 20 मई को होने हैं। सियासी दल अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। सता पक्ष में बैठी बीजपी फिर से सरकार में आने की बात कर रही है तो कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सदस्य अपनी सरकार बनने की बाते पूरे विश्वास के साथ उठा रहे है। चार चरणों जहां बीजेपी ने मंदिर, हिंदू, मुसलमान, जेहाद, सेना, मछली, जैसे उलझाने वाले मुद्दे उठाकर जनता को भ्रमित किया तो विपक्ष बेरोजगारी, आरक्षण व संविधान जैसे जरूरी मुद्दों पर कायम रहकर बीजेपी को असहज करती नजर आई। अब चूकि तीन चरणों के मतदान बाकी है।

सोमवार को पांचवे दौर की वोटिंग के लिए जनता तैयार है। शनिवार को इस चरण के आखिरी दौर का प्रचार खत्म हो जांएगे ऐसे में राजनीतिक दलों के नेता प्रचार का कोई भी मौंका गंवाना नही चाहते है अब वह बजट व राशन जैसे मुद्दे भी अपनी भाषणों में उठाने लगे हैं। अब 4 जून के बाद पता चलेगा कौन सा मुद्दा जनता के दिल व दिमाग को छुआ। अब मामला फ्री राशन पर आ गया है। बीजेपी के पांच किलों राशन के जवाब में कांग्रेस ने दस किलो राशन देने का वादा करके बीजेपी को बैचैन कर दिया है। इसी को लेकर दोनों के बीच में घमासान छिड़ गया। दोनों इस योजना पर अपने-अपने दावे कर रहे हैं।

जहां पीएम गारंटी दे रहे हैं तो वहीं कांग्रेस, आप व अन्य राजनैतिक दलों ने भी गारंटियां देने की बात कह कर जनता को अपनी ओर खींचने की कोशिश की है। आप संयोजक केजरीवाल ने कहा कि क्क ने दिल्ली में मुफ्त बिजली, अच्छे स्कूल और मोहल्ला क्लिनिक की अपनी गारंटी पूरी की है जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी गारंटी पूरी नहीं की है। केजरीवाल ने अग्निवीर योजना बंद करने का भी वादा किया और कहा कि किसानों को स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उनकी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) उपलब्ध कराएंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केजरीवाल की गारंटी की घोषणा की। केजरीवाल ने केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर फ्री बिजली, अग्निवीर योजना को समाप्त करने, भारतीय जमीन को चीनी कब्जे से मुक्त कराने समेत 10 कार्य गिनाए और कहा कि इन्हें युद्धस्तर पर किया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि लोगों को मोदी की गारंटी और केजरीवाल की गारंटी के बीच चुनाव करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की गारंटी एक ब्रांड है। अपनी गारंटी की घोषणा पर केजरीवाल ने कहा कि मैंने इसके बारे में अपने गठबंधन के साथियों से चर्चा नहीं की है लेकिन मैं इन गारंटी को पूरा करने के लिए अपने इंडिया गठबंधन के साथियों पर दबाव डालूंगा। केजरीवाल की इस गारंटी पर इंडिया गठबंधन में शामिल कई दलों से समर्थन मिला लेकिन कांग्रेस ने इस पर सतर्क रुख अपनाया। केजरीवाल की 10 गारंटियों पर कांग्रेस ने कोई टिप्पणी करने से परहेज किया।वहीं शिवसेना, डीएमके, टीएमसी और जेएमएम जैसे सहयोगियों से समर्थन मिला। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि आप की गारंटी कांग्रेस के न्याय पत्र की तरह उसके घोषणापत्र के समान है। उन्होंने साझा एजेंडे पर पहुंचने की प्रक्रिया पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर राष्ट्रीय नेतृत्व आगे फैसला लेगा। सीपीएम केरल सचिव एमवी गोविंदन ने बीजेपी को हराने पर गठबंधन के फोकस पर जोर दिया और लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद तक साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर आगे की चर्चा को टाल दिया।

डीएमके ने कहा राज्य ही दे सकते हैं गारंटी

डीएमके ने प्रत्येक पार्टी के घोषणापत्र में अलग-अलग प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि केजरीवाल द्वारा की गई अधिकांश गारंटी जैसे बिजली और स्वास्थ्य राज्य के विषय हैं। उन्हें केवल राज्य ही लागू कर सकते हैं। बीजेपी सरकार के विपरीत, यदि भविष्य की सरकारों द्वारा राज्यों के लिए जीएसटी मुआवजा बढ़ाया जाता है, तो राज्य अपने स्वयं के कल्याणकारी उपायों को लागू कर सकते हैं। सीपीआई महासचिव डी राजा ने क्क की गारंटियों को उनके घोषणापत्र के रूप में देखा। उन्होंने कहा, हमारे पास भी अपना घोषणापत्र है, जिसमें हम आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर कई मुद्दों पर बात करते हैं... हमारे जीतने और सरकार बनाने के बाद सभी इंडिया गठबंधन के सदस्य एक साथ आएंगे और एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार करेंगे।

कांग्रेस की सोच थी सबको राशन देने की योजना

कांग्रेस नेता रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री और भाजपा राशन को लेकर भयंकर झूठ फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, राशन की असली क्रोनोलॉजी समझिए। 80 करोड़ भारतीयों के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2011 की जनगणना के आधार पर) सितंबर 2013 में पारित किया गया था। इसका सिर्फ़ एक मुख्यमंत्री ने लिखित में विरोध किया था, वह थे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री। कांग्रेस महासचिव ने

कहा, प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया। कोविड महामारी के दौरान उन्होंने अचानक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 का नाम बदलकर प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना कर दिया और मुफ्त राशन योजना के रूप में इसकी मार्केटिंग की। उनके मुताबिक, तय समय पर हर 10 साल में होने वाली जनगणना को 2021 में न करवाकर कम से कम 14 करोड़ भारतीयों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिलने वाले लाभ से वंचित कर दिया गया है। जनगणना अभी तक नहीं हुई है। रमेश ने कहा, जब मई 2023 में विधानसभा चुनाव में कर्नाटक के लोगों ने भाजपा को सत्ता से बेदखल कर दिया, तब निवर्तमान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की अन्न भाग्य - 10 किलो मुफ्त चावल देने की गारंटी को विफल करने कोशिश करके कर्नाटक वासियों से अपना बदला लिया। लेकिन कांग्रेस की राज्य सरकार डटी रही और अन्न भाग्य योजना को लागू कर रही है।

दूसरे का दुख-दर्द क्यों नही बनते चुनावी मुद्दे

लोकसभा चुनाव का चौथा चरण पूरा हो गया है, जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं राजनेताओं एवं उम्मीदवारों के दागदार चरित्र की परते खुलती जा रही है। एक समय था कि जब लोग देश के नेताओं के सार्वजनिक जीवन में आचरण का अनुसरण करते थे। नेताओं को भी समाज में अपनी छवि व प्रतिष्ठा की फिक्र रहती थी। लेकिन हाल के वर्षों में राजनीति में कई क्षत्रप परिवारों के ऐसे नेता भी सामने आए है जिन्होंने सत्तामद में चूर होकर तमाम नैतिकताओं व मर्यादाओं को ताक पर रखा। पिछले दिनों कर्नाटक में हासन सीट से जनता दल (सेक्यूलर) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर सैकड़ों महिलाओं के साथ दुराचार के जो गंभीर आरोप लगे, उसने राजनीति में पतन की पराकाष्ठा को दर्शाया है। इसे पहले यूपी के बीजेपी के सांसद बृजभूषण सिंह द्वारा महिला पहलवानों को यौन शोषण का मामला भी गरमाया जिस पर अभी कोर्ट में केस चल रहा है। वही रांची में एक पुराने मामले की जांच कर रही ईडी को रेड में झारखंड सरकार में मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के घर पर काम करने नौकर के यहां से 39 करोड कैश बरामद हुआ है। यौन उत्पीड़न, दुराचार, भ्रष्टाचार एवं देशद्रोह पर सवार नेताओं एवं दागदार उम्मीदवारों से जुड़ा यह चुनाव लोकतंत्र पर एक गंभीर प्रश्न है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 में केवल एक बजट का जिक्र : चिदंबरम

चिदंबरम ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 में केवल वार्षिक वित्तीय विवरण का जिक्र है, जो केंद्रीय बजट है। फिर दो बजट कैसे हो सकता है? उन्होंने आगे कहा कि चुनाव प्रचार के शेष दिनों में आशा है कि प्रधानमंत्री झूठे आरोपों और अपमानजनक दावों का रास्ता छोड़ देंगे। भारतीय प्रधानमंत्री के बयानों को भारत की जनता ही नहीं, दुनिया भी देख रही है। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि सत्ता में रहने के दौरान पार्टी मुसलमानों के लिए बजट का 15 प्रतिशत आवंटित करना चाहती थी। पीएम मोदी के इस आरोप पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस आरोप को गलत बताया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के बीच हिंदू मुस्लिम विभाजन के मकसद से यह टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के बयान लगातार अजीब होते जा रहे हैं और यह दर्शाते हैं कि उनके भाषण लिखने वाले अपना संतुलन खो बैठे हैं। कल, उन्होंने दावा किया कि अगर उन्होंने हिंदू-मुस्लिम विभाजन किया, तो वह सार्वजनिक जीवन में रहने के योग्य नहीं होंगे। आज, उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों को विभाजित करने का अपना खेल खेला। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, प्रधानमंत्री का यह आरोप पूरी तरह से गलत है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने केंद्रीय बजट का 15 प्रतिशत विशेष रूप से मुसलमानों पर खर्च करने की योजना बनाई थी। उनका एक अन्य आरोप है कि कांग्रेस एक मुस्लिम बजट और एक हिंदू बजट पेश करेगी। यह इतना अपमानजनक है कि इसे केवल एक मतिभ्रम के रूप में वर्णित किया जा सकता है।

राजनीतिक स्वार्थों के नाम पर गढ़ रहे परिभाषाएं

देश दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। समाज में बहुत कुछ बदला है, मूल्य, विचार, जीवन-शैली, वास्तुशिल्प सब में परिवर्तन है। चुनाव प्रक्रिया बहुत खर्चीली होती जा रही है। ईमानदार होना आज अवगुण है। अपराध के खिलाफ कदम उठाना पाप हो गया है। धर्म और अध्यात्म में रुचि लेना साम्प्रदायिक माना जाने लगा है। किसी अनियमितता का पर्दाफाश करना पूर्वाग्रह माना जाता है। सत्य बोलना अहम् पालने की श्रेणी में आता है। साफगोही अत्यावहारिक है। भ्रष्टाचार को प्रश्रय नहीं देना समय को नहीं पहचानना है। चुनाव के परिप्रेक्ष्य में इन और ऐसे बुनियादी सवालों पर चर्चा होना जरूरी है। आखिर कब तक राजनीतिक स्वार्थों के नाम पर नयी गढ़ी जा रही ये परिभाषाएं समाज और राष्ट्र को वीभत्स दिशाओं में धकेलती रहेगी? विकासवाद की तेज आंधी के नाम पर हमारा देश, हमारा समाज कब तक भुलावे में रहेगा? चुनाव के इस महायज्ञ में सुधार की, क्या कभी सत्तापक्ष या विपक्ष से जुड़े लोगों ने या नये उभरने वाले राजनीतिक दावेदारों ने, और आदर्श की बातें करने वाले लोगों ने, अपनी करनी से ऐसा कोई अहसास दिया है कि उन्हें सीमित निहित स्वार्थों से ऊपर उठा हुआ राजनेता समझा जाए?

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

झूठे साक्ष्य की वजह से सजा, दोषी कौन !

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के एक प्रावधान की वैधता की जांच करने पर सहमति जताई। इस प्रावधान के तहत उस व्यक्ति के लिए मौत की सजा है, जिसके झूठे साक्ष्य की वजह से एससी या एसटी समुदाय के किसी निर्दोष सदस्य को दोषी ठहराया गया और फांसी दी गई। अब सवाल यह उठता है कि अगर सबूत झूठे थे तो जो लोग सजा पाएं उनको इस मोड़ पर पहुंचाने का दोषी या जिम्मेदार कौन होगा। क्या इसकी जिम्मेदारी राजनीतिज्ञ लोगों को नहीं लेनी चाहिए जो कानून बनाने में सक्रिय रहते हैं। खैर अब इस मामले में शीर्ष अदालत में सुनवाई होगी कोई न कोई ठोस निष्कर्ष जरूर निकलेगा। दरअसल, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ इस प्रावधान को चुनौती देने वाली एक सुनवाई कर रही थी, जिसका इस्तेमाल शायद ही कभी किया जाता हो। चन सिंह मामले में 9 मई, 1980 को सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों वाली पीठ ने फैसला सुनाया था कि अदालतें केवल दुर्लभतम हत्या के मामलों में दोषी पाए गए व्यक्तियों को ही मृत्युदंड दे सकती हैं,जिसमें अत्यधिक क्रूरता शामिल हो।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हत्या के दोषी व्यक्तियों के लिए आजीवन कारावास नियम है और मृत्युदंड अपवाद है। केवल दुर्लभतम मामलों में ही मृत्युदंड का प्रावधान है। याचिकाकर्ता ने न्यायमूर्ति कांत और न्यायमूर्ति विश्वनाथन की पीठ को बताया कि एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(2) (1) में प्रावधान है कि यदि एससी या एसटी समुदाय के किसी निर्दोष सदस्य को ऐसे झूठे या मनगढ़ंत साक्ष्य के परिणामस्वरूप दोषी ठहराया जाता है और उसे फांसी दी जाती है, तो ऐसे झूठे साक्ष्य देने या गढ़ने वाले व्यक्ति को मौत की सजा दी जाएगी। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह सरकार से परामर्श करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई जुलाई के लिए टाल दी। इससे पहले की सुनवाई में पीठ ने कहा था कि क्या कोई एक भी उदाहरण है जहां दोषसिद्धि हुई है। वकील ने जवाब दिया कि उनके पास इससे जुड़ा डेटा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह प्रावधान सजा की मात्रा के मामले में न्यायिक विवेक को छीन लेता है। इसके बाद पीठ ने वेंकटरमणी से जानकारी जुटाने और इस मुद्दे पर एक संक्षिप्त नोट प्रस्तुत करने को कहा था। वहीं अदालत ने न्यूजक्लिक के संस्थापक और प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ को जमानत दे दी। कोर्ट ने यूएपीए के तहत गिरफ्तारी और दिल्ली पुलिस की उनकी रिमांड को अवैध घोषित कर दिया। कोर्ट ने कहा पुरकायस्थ की गिरफ्तारी का आधार उन्हें लिखित रूप में नहीं दिया गया था।

“ न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ इस प्रावधान को चुनौती देने वाली एक सुनवाई कर रही थी, जिसका इस्तेमाल शायद ही कभी किया जाता हो। चन सिंह मामले में 9 मई, 1980 को सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों वाली पीठ ने फैसला सुनाया था कि अदालतें केवल दुर्लभतम हत्या के मामलों में दोषी पाए गए व्यक्तियों को ही मृत्युदंड दे सकती हैं,जिसमें अत्यधिक क्रूरता शामिल हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महंगाई के खिलाफ उपजे आक्रोश की तपिश

विवेक शुक्ला

जब हमारी कश्मीर घाटी में लोकसभा चुनाव का प्रचार जारी है, तब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के बहुत बड़े हिस्से में अवाम सड़कों पर है। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से सिर्फ 130 किलोमीटर दूर पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद और मीरपुर जैसे प्रमुख शहरों में जनता सरकार से दो-दो हाथ करना चाहती है। जनता पीओके सरकार और देश की संघीय सरकारों से अपना हक मांग रही है। पीओके में जब आंदोलन चल रहा है, तब भारत में चल रहे लोकसभा चुनाव की कैंपेनिंग के दौरान पीओके का जिक्र आ रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीते रविवार को कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत का है, उसे हम लेकर रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि पीओके को भारत से मिलाने पर भारतीय संसद का एक अहम प्रस्ताव भी है। बहरहाल, पीओके की बिगड़ती स्थिति की वजह से पाकिस्तान के रहनुमाओं की रातों की नींदें उड़ गई हैं। पाकिस्तान तो भारत के जम्मू-कश्मीर पर बार-बार अपना दावा करता है, पर दुनिया देख रही है कि उसके कब्जे वाला कश्मीर जल रहा है। पीओके की अवाम बिजली की भारी-भरकम बिलों और आटे के आसमान छूते दामों के कारण आक्रोशित है। वहां पर संकट गहराता जा रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया के दौर में पीओके की जनता देख रही है कि भारत के कश्मीर में जनता कम से कम बिजली के बिलों या आटे की आसमान छूती कीमतों के कारण तो नाराज नहीं है। वहां अन्य मसले हो सकते हैं, पर कुल मिलाकर जीवन सुकून भरा है। पीओके में ताजा हिंसक आंदोलन की तात्कालिक वजह यह है कि पाकिस्तान सरकार ने आटे की कीमतों को कम करने की मांग को मानने से इंकार कर दिया है। बिजली के बिल कम करने पर तो सरकार आंदोलनकारियों से कोई बात करने तो वैसे भी तैयार नहीं है। दरअसल, पीओके में बवाल तब शुरू हुआ जब अवामी एक्शन कमेटी ने 8 मई, 2024 को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किए थे। इससे पहले, बीते साल अगस्त में बिजली बिलों पर नए करों को लगाने से स्थिति बिगड़ने लगी थी।

इन करों के विरोध में मुजफ्फराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू किए थे, जिन्हें स्थानीय व्यापारियों का समर्थन मिला। ये प्रदर्शन जल्दी ही रावलकोट और

मीरपुर जिलों तक फैल गए। पिछले साल 17 सितंबर को मुजफ्फराबाद में एक बैठक के बाद, अवामी एक्शन कमेटी ने अपने आंदोलन को राज्यव्यापी करने का फैसला किया। इसके बाद पीओके में बिजली बिल जलाये जाने लगे। इसके जवाब में, सरकार ने कई आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया, लेकिन जनता के दबाव के कारण उन्हें रिहा कर दिया। इसके बाद आंदोलनकारियों की तरफ से सरकार को 10 सूत्रीय मांगों की सूची सौंपी गई। इस सूची में आटे पर सब्सिडी और बिजली के बिलों में कमी करने की मांगें शामिल थीं। पर, सरकार बिजली बिलों में कमी और आटे के दाम कम करने के लिए तैयार नहीं हुई। यही वजह है कि सरकार की हठधर्मिता से नाराज अवामी एक्शन कमेटी ने मुजफ्फराबाद स्थित पीओके विधानसभा तक मार्च करने का आह्वान किया। 9 मई को डोडियाल में एक डिप्टी कमिश्नर पर उस समय हमला किया गया जब उन्होंने एक भीड़ को तितर-बितर करने के आदेश दिए। 10 मई को पीओके के प्रदर्शनकारी मुजफ्फराबाद की ओर मार्च करने के लिए निकले, जिसके कारण गंभीर झड़पें हुईं। एक आला पुलिस अफसर की मौत हो गई। इसके बाद पीओके के मुख्यमंत्री अनवर उल हक सरकार को जनता के गुस्से से दो-चार होना पड़ रहा है। हक की छवि एक बेहद कड़क नेता की है। वे बात-बात पर आपा खो देते हैं। पीओके के मीरपुर जिले में 9 मई को एक डिप्टी कमिश्नर को प्रदर्शनकारियों ने बुरी तरह पीटा और उसकी कार को फूंक भी दिया था। फिलहाल लगता तो यही है कि अवामी एक्शन कमेटी का अपनी मांगों के समर्थन में चल रहा आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी मांगों को मान नहीं लिया जाता। हां, सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच रावलकोट में बातचीत फिर से शुरू हो गई।

पर यह देखने वाली बात है कि क्या पाकिस्तान सरकार, जो पीओके सरकार के साथ खड़ी है, प्रदर्शनकारियों की मांगों को स्वीकार करेगी? फिलहाल लगता तो नहीं है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ तो प्रदर्शनकारियों पर एक्शन लेने के संकेत दे रहे हैं। पीओके में चल रहे प्रदर्शन पर हमारे उन कश्मीरियों को नजर रखनी चाहिए जिन्हें भारत से सिर्फ शिकायतें रहती हैं। इस बीच, लगता है कि कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर और फारूक अब्दुल्ला को पीओके पर भारतीय संसद में पारित प्रस्ताव की जानकारी ही नहीं है। इसलिए ही ये कह रहे हैं कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है।

मेघालय में अवैध कोयला खनन रोकने की चुनौती

पंकज चतुर्वेदी

मेघालय के पूर्वी जयंतिया जिले में कोयला उत्खनन की 26 हजार से अधिक रेट होल माइंस अर्थात चूहे के बिल जैसी खदानें बंद करने के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा दिए गए आदेश को दस साल हो गए लेकिन आज तक एक भी खदान बंद नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट ने भी इन खतरनाक खदानों को बंद करने लेकिन पहले से निकाल लिए गए कोयले के परिवहन के आदेश दिए थे। इस काम की निगरानी के लिए मेघालय हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त जस्टिस बीके काटके समिति ने अपनी 22वीं अंतरिम रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह ये खदानें अभी भी प्रदेश के परिवेश में जहर घोल रही हैं। उल्लेखनीय है कि अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय में अब प्यास ने डेरा जमा लिया है। यहां की नदियां जहरीली हो रही हैं, धरती पर स्थाई पर्यावरणीय संकट है और सांस में कार्बन घुल रहा है।

यह सब हो रहा है इन खतरनाक खदानों से कोयले के अवैध, निर्बाध खनन के कारण। जब इन खदानों में फंस कर लोग मरते हैं तो प्रशासन-पुलिस कागज भरती है, वादे होते हैं, उसके बाद कोयले की दलाली में सभी काले हो जाते हैं। गुवाहाटी के होटलों में सौदे होते हैं और बाकायदा कागज बनाकर दिल्ली के आसपास के ईंट-भट्टों तक कोयले का परिवहन हो जाता है। हाईकोर्ट की कमेटी बताती है कि अकेले पूर्वी जयंतिया जिले के चूहा-बिल खदानों के बाहर 14 लाख मीट्रिक टन कोयला पड़ा हुआ है जिसको यहां से हटाया जाना है। दस साल बाद भी इन खदानों को कैसे बंद किया जाए, इसकी विस्तृत कार्यान्वयन रिपोर्ट अर्थात डीपीआर प्रारंभिक चरण में केन्द्रीय खनन योजना और डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआई) के पास लंबित है। जाहिर है, न तो इसको ले कर कोई गंभीर है और न ही ऐसा करने की इच्छा-शक्ति। जस्टिस काटके की रिपोर्ट में कहा गया है कि 'मेघालय पर्यावरण संरक्षण और पुनर्स्थापन निधि (एमईपीआरएफ) में 400 करोड़ रुपये की राशि बगैर इस्तेमाल की पड़ी है और इन खदानों के कारण हुए प्रकृति को नुकसान की भरपाई का कोई कदम उठाया नहीं गया।

मेघालय में प्रत्येक एक वर्ग किलोमीटर में 52 रेट होल खदानें हैं। अकेले जयंतिया हिल्स पर इनकी संख्या करीब 26 हजार है। असल में ये खदानें दो तरह की होती हैं। पहली किस्म की खदान बामुश्किल तीन से चार फीट की होती है। इनमें श्रमिक रेंग कर घुसते हैं जिनमें अधिकांश बच्चे ही घुसते हैं। दूसरे किस्म की खदान में आयताकार आकार में 10 से 100 वर्गमीटर माप में जमीन को काटा जाता है और फिर उसमें 400 फुट गहराई तक मजदूर जाते हैं। यहां मिलने वाले कोयले में गंधक की मात्रा ज्यादा है और इसे दोयम दर्जे का कोयला कहा जाता है। एनजीटी द्वारा रोक लगाने के बाद मेघालय की पिछली सरकार ने स्थानीय संसाधनों पर स्थानीय आदिवासियों के अधिकार के कानून के तहत इस तरह के खनन को वैध रूप देने का प्रयास किया था लेकिन कोयला खदान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम के तहत कोयला खनन के अधिकार, स्वामित्व आदि हित केंद्र सरकार के पास सुरक्षित हैं, इसलिए राज्य सरकार इस अवैध खनन को वैध का जामा नहीं पहना पायी।

लेकिन गैरकानूनी खनन, भंडारण और पूरे देश में इसका परिवहन चलता रहता है। रेट होल खनन न केवल अमानवीय है बल्कि इसके चलते यहां से बहने वाली कोपिली नदी का अस्तित्व ही मिट-सा गया है। एनजीटी ने अपने पाबंदी के आदेश में साफ कहा था कि खनन इलाकों के आसपास सड़कों पर कोयले का ढेर जमा करने से वायु, जल और मिट्टी के पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। भले ही कुछ लोग इस तरह की खदानों पर पाबंदी से आदिवासी अस्मिता का मसला जोड़ते हों, लेकिन हकीकत सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत नागरिक समूह की रिपोर्ट में बतायी गयी थी कि अवैध खनन में प्रशासन, पुलिस और बाहर के राज्यों के धनपति नेताओं की हिस्सेदारी है और स्थानीय आदिवासी तो केवल शोषित श्रमिक ही हैं। ज्यादा चिंता इस बात की है कि कोयले की कालिख राज्य की जल निधियों की दुश्मन बन गई है। लुका नदी पहाड़ियों से निकलने वाली कई छोटी सरिताओं से मिलकर बनी है, इसमें लुनार नदी मिलने के बाद इसका प्रवाह तेज होता है। इसके पानी में गंधक की उच्च मात्रा, सल्फेट, लोहा व कई अन्य जहरीली धातुओं की उच्च मात्रा, पानी में आक्सीजन की कमी पाई गई है। एक और खतरा है कि जयंतिया पहाड़ियों के गैरकानूनी खनन से कटाव बढ़ रहा है। नीचे दलदल के बढ़ने से मछलियां कम आ रही हैं। ऊपर से जब खनन का मलबा इसमें मिलता है तो जहर और गहरा हो जाता है।

मेघालय ने गत दो दशकों में कई नदियों को नीला होते, उनके जलचर मरते और आखिर में जलहीन होते देखा है। अदालत की फटकार है, पर्याप्त धन है लेकिन इन खदानों से टपकने वाले तेजाब से प्रभावित हो रहे जनमानस को कोई राहत नहीं है। यह हरियाली चाट गया, जमीन बंजर कर दी, भूजल इस्तेमाल लायक नहीं रहा और बरसात में यह पानी बहकर पहाड़ी नदियों में जाता है तो वहां भी तबाही है। मेघालय पुलिस यदा-कदा अवैध कोयला परिवहन के केस दर्ज करती है लेकिन ये औपचारिकता ही है। मेघालय से बादलों की कृपा भी कम हो गई है, चेरापूंजी अब सर्वाधिक बारिश वाला गांव नहीं रह गया है। यदि कालिख के लोभ में नदियां भी खो दीं तो इस अनूठे प्राकृतिक सौंदर्य वाली धरती पर मानव जीवन भी संकट में होगा।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए करें ये उपाय

आपकी जीवनशैली का असर आपकी किडनी पर भी होता है। खराब लाइफस्टाइल आपकी किडनी को नुकसान पहुंचाती है जिससे क्रॉनिक किडनी डिजीज का खतरा बढ़ता है। किडनी हमारे शरीर का अहम हिस्सा होता है, जो बॉडी से टॉक्सिन्स बाहर करने का काम करते हैं। ये ब्लड को फिल्टर करने के साथ-साथ ब्लड का पीएच बैलेंस, रेड ब्लड सेल्स बनाने और ब्लड प्रेशर मेंटेन करने में भी मदद करते हैं। ये सभी फंक्शन्स हेल्दी बॉडी के लिए काफी जरूरी होते हैं, इसलिए किडनी का स्वस्थय रहना काफी जरूरी है। हालांकि, हमारी लाइफस्टाइल की कुछ आदतें किडनी को खराब कर सकती हैं। किडनी को हेल्दी रखने के लिए व्यक्ति को अपनी लाइफस्टाइल में कई सुधार करने की जरूरत होती है, क्योंकि बिगड़ती जीवनशैली का प्रभाव हमारी किडनी पर भी पड़ता है। इसके कारण ही, किडनी से जुड़ी परेशानियों के मामले बढ़ रहे हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल करें

किडनी को हेल्दी रखने के लिए ब्लड प्रेशर कंट्रोल करना काफी जरूरी होता है। इसलिए नियमित रूप से ब्लड प्रेशर चेक करें और हेल्दी डाइट फॉलो करें। जिन लोगों को डायबिटीज की बीमारी होती है, उनका शरीर इंसुलिन प्रतिरोधी हो जाता है। यानी उनके शरीर में इंसुलिन की कमी हो जाती है। इंसुलिन की ज्यादा या कम मात्रा के कारण हमारे शरीर में बहुत से नकारात्मक बदलाव होते हैं। इससे बचने के लिए लोगों को ब्लड शुगर लेवल की जांच करवाते रहना चाहिए।

खुद से पेन किलर न लें

अक्सर लोग ओवर द काउंटर दवाइयों का सेवन बिना डॉक्टर की सलाह के करते हैं। इनमें पेन किलर्स काफी आम हैं, लेकिन ज्यादा पेन किलर खाना किडनी के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह की पेन किलर न लें।

फिट और एक्टिव रहें

नियमित एक्सरसाइज करना पूरी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इससे ऐसे कई रिस्क फैक्टर्स से बचाव होता है, जो किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं और क्रॉनिक किडनी डिजीज का कारण बन सकते हैं। सुबह सूर्योदय से पहले उठें। फ्रेश होकर टहलने के लिए जाएं। आप सूर्य आराधना से भी दिन की शुरुआत कर सकते हैं।

हेल्दी डाइट लें

शरीर के हर अंग को हेल्दी रखने के लिए जरूरी है कि किसी पोषक तत्व की कमी न हो। इसलिए संतुलित आहार खाएं। खाने में सोडियम और सैचुरेटेड फैट की मात्रा कम करें, क्योंकि ये किडनी के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। अगर आप कॉफी के शौकीन नहीं हैं, तो आप अपनी डाइट में हर्बल टी शामिल कर सकते हैं। एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनोल से भरपूर हर्बल चाय का सेवन सेहत के लिए बहुत ही लाभदायक है। इसका सेवन आप दिन में दो बार कर सकते हैं। डार्क चॉकलेट में पाए जाने वाले एक विशिष्ट प्रकार के पोषक तत्व पॉलीफेनोल्स, सूजन को कम करने, विशेष रूप से आपकी उम्र के अनुसार रक्त वाहिकाओं को नुकसान से बचाने में सहायक होते हैं। आप कई तरह से इसका सेवन कर सकते हैं। हेल्दी डेजर्ट आदि में इसे शामिल कर सकते हैं।

पानी पीएं

अपनी बॉडी को हाइड्रेट रखें और भरपूर मात्रा में पानी पिएं। हाइड्रेटेड रहने से किडनी बेहतर फंक्शन करते हैं और हेल्दी रहते हैं। शरीर में कई तरह के व्यर्थ पदार्थ जमा होते रहते हैं, जिन्हें हेल्दी बने रहने के लिए बाहर निकालना जरूरी होता है। शरीर से मल-मूत्र को बाहर निकालने के लिए पानी की आवश्यकता होती है। पसीना बनने की प्रक्रिया में भी पानी की जरूरत होती है। किडनी शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। किडनी शरीर में तरल पदार्थ को नियंत्रित करती है। अपर्याप्त पानी पीने से किडनी में पथरी और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। किडनी शरीर में तरल पदार्थ को नियंत्रित करती है।

रेगुलर टेस्ट कराएं

किडनी की रुटीन स्क्रीनिंग कराएं। इसके लिए अपने डॉक्टर से बात करें और अपने रिस्क फैक्टर्स और फैमिली हिस्ट्री के बारे में बताएं, ताकि अगर किडनी डिजीज है भी तो इसका जल्दी पता लगाने में मदद हो सके।

हंसना मना है

एक महिला पेट्रोल पंप पर पहली बार स्कूटी चला कर गई... महिला - भईया, पेट्रोल कितने रुपये लीटर है...? कर्मी - मैडम 80 रुपये लीटर... महिला - ठीक से लगा लो भईया, बगल वाला तो 70 रुपये लीटर ही दे रहा है। कर्मी - (गुस्से में) अरे मैडम जी, बगल में डीजल की मशीन है...!!

बाजार में पप्पू को एक बेहद खूबसूरत महिला दिखी... पप्पू खड़ा होकर उसे देखता ही रह गया... तभी वो उसके पास आई और बोली - भाई साहब, दिख तो मैं आंख से भी जाऊंगी, मुंह तो बंद कर लो...

एक महिला ने एंबुलेंस बुलाने के लिए कॉल किया... ऑपरेटर - आपको क्या समस्या है? महिला - मेरे पैर की ऊंगली कॉफी टेबल से टकरा गई... ऑपरेटर (हंसते हुए) - तो इसके लिए आप एंबुलेंस बुलाना चाहती हैं? महिला - नहीं, एंबुलेंस तो मेरे पति के लिए है, उन्हें हंसना नहीं चाहिए था...!!!

चेन स्नैचिंग वाले महिला के गले से हार खींच कर ले गए...अगले दिन महिला बहुत ज्यादा दुखी हुई...हार के लिए नहीं, अखबार वालों ने छाप दिया- वृद्ध महिला के गले से हार छीन भागे चेन स्नैचर...!!!

कहानी | लक्ष्मण जी नहीं सोए 14 साल

रामचंद्र जी को जब उनके पिता दशरथ राजपाट सौंपने वाले थे, तभी उनकी दूसरी पत्नी कैकेयी को उनकी दासी मथंरा ने खूब भड़काया। मंथरा ने कहा कि राजा तो आपके बेटे भरत को बनना चाहिए। इसके बाद कैकेयी ने राजा दशरथ से दो वर मांगे, पहला भरत को गद्दी मिलनी चाहिए और दूसरा राम को 14 वर्ष तक वन में रहना होगा। राजा दशरथ को अपनी पत्नी के वर पूरे करने पड़े। जब रामचंद्र जी वनवास के लिए अयोध्या से निकले, तब लक्ष्मण जी ने भी उनके साथ जाने की इच्छा जाहिर की। लक्ष्मण के वन जाने की बात सुनकर उनकी पत्नी उर्मिला भी साथ जाने की जिद करने लगती है। तब लक्ष्मण अपनी पत्नी उर्मिला को समझाते हैं कि वह अपने बड़े भाई और मां समान भाभी सीता की सेवा करने के लिए जा रहे हैं। अगर तुम वनवास में साथ चलोगी, तो मैं ठीक तरह से सेवा नहीं कर पाऊंगा। लक्ष्मण के सेवा भाव को देखकर उर्मिला साथ जाने की जिद छोड़ देती है और महल में ही रुक जाती है। वन में पहुंचकर लक्ष्मण, भगवान राम और सीता के लिए एक कुटिया बनाते हैं। जब राम और सीता कुटिया में विश्राम करते थे, तब लक्ष्मण बाहर पहरेदारी करते थे। वनवास के पहले दिन जब लक्ष्मण पहरेदारी कर रहे थे, तब उनके सामने निद्रा देवी प्रकट हुईं। लक्ष्मण ने निद्रा देवी से वरदान मांगा कि वह 14 साल तक निद्रा मुक्त रहना चाहते हैं। निद्रा देवी ने कहा कि तुम्हारे हिस्से की नींद किसी और को लेनी होगी। लक्ष्मण कहते हैं कि उनके हिस्से की नींद उनकी पत्नी को दे दें। इस कारण लक्ष्मण 14 साल तक नहीं सोए और उनकी पत्नी उर्मिला लगातार 14 वर्ष तक सोती रही। 14 वर्ष बाद जब भगवान राम और माता सीता के साथ जब लक्ष्मण अयोध्या वापस आए, तब नींद की अवस्था में रामचंद्र जी के राजतिलक समारोह में उर्मिला भी उपस्थित थी। यह देख लक्ष्मण को हंसी आती है। जब लक्ष्मण से हंसी की वजह पूछी गई, तो उन्होंने निद्रा देवी के वरदान के बारे में सब कुछ बताया। लक्ष्मण ने कहा कि जब मैं उबासी लूंगा, तब उर्मिला की नींद खुलेगी। लक्ष्मण जी की इस बात को सुनकर सभा में मौजूद सभी हंस पड़े। सभी को हंसते देख उर्मिला लज्जावश समारोह से उठकर बाहर चली जाती हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे।

वृषभ

पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

कर्क

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी न करें। घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा।

सिंह

मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे।

कन्या

घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। वस्तुएं संभालकर रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

तुला

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक

आय में निश्चितता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है।

धनु

व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी।

मकर

प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कुम्भ

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मीन

व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें।

मुंबई आपको बहुत कुछ सिखाता है: आंचल

बॉलीवुड | मसाला

ताहिर राज भसीन, श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह स्टारर ये काली-काली आंखें साल 2022 में नेटफिलक्स पर आई थी। रोमांटिक क्राइम थ्रिलर इस वेब सीरीज की कहानी लोगों को खूब पसंद आई थी। सीरीज का बहुत ज्यादा प्रमोशन नहीं हुआ था, लेकिन इसके बावजूद इस वेब सीरीज ने खूब धमाका मचाया था। सभी कलाकारों का काम दर्शकों को बेहद पसंद आया था। अब हाल ही में मेकर्स पहले सफल सीजन के बाद दूसरे की तैयारी में जुट गए हैं। ये काली-काली आंखें 2 में ग्रे शेड किरदार अदा कर रहीं आंचल सिंह ने हाल ही में नेपोटिज्म पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। डिजिटल प्लेटफार्म ने आंचल को करियर में आगे बढ़ने का अवसर दिया। यहां उन्हें लोकप्रियता मिली ग्रे शेड पात्रों से। आंचल कहती हैं कि वास्तविक जीवन में भी आपका कोई एक रंग नहीं होता। अब मुझे वास्तविक पात्र निभाने हैं तो उनमें ग्रे शेड हमेशा रहेगा। गैर फिल्मी पृष्ठभूमि से आने वाली आंचल इंडस्ट्री में परिवारवाद को लेकर छिड़ी बहस को अनुचित मानती हैं। वह कहती हैं कि निजी तौर पर मुझे लगता है कि माता-पिता या परिवार अपने बच्चों को सहयोग नहीं करेंगे तो कौन करेगा। बाकी संघर्ष तो सभी के जीवन में होते हैं। मैं जब इंडस्ट्री में आई थी तो बहुत जुनूनी थी, काम का उत्साह आज भी है, लेकिन अब थोड़ा ठहराव आ गया है। यह सिर्फ एक्टिंग में नहीं जीवन में भी आवश्यक है। आंचल आगे कहती हैं कि आज मैं जहां भी हूं उसमें डिजिटल प्लेटफार्म का काफी योगदान है। इससे पहले मैंने काफी विज्ञापन किए थे। एक दक्षिण भारतीय फिल्म की। मैं फिल्में करना चाह रही थी, लेकिन जिस तरह की भूमिकाएं मुझे चाहिए थीं, वैसे प्रस्ताव नहीं आ रहे थे। मैं समझ नहीं पा रही थी कि करियर को किस तरह से आगे लेकर जाऊं। असमंजस की स्थिति से गुजर रही थी, उस समय ओटीटी का शानदार दौर आरंभ हुआ। अनदेखी सीजन एक मिला। वो मेरा पहला शो था। मुझे लगा कि यहां पर संभावनाएं हैं। मुंबई आपको सिखा देता है कि हर हाल में सकारात्मक रहना पड़ेगा। सीखते रहना मेरा स्वभाव है। मुझे दूसरे लोगों की कहानी जानने में दिलचस्पी रहती है। वे अनुभव भी बहुत कुछ सिखाते ही हैं।

फैशन के जरिए मैं खुद को रिप्रजेंट कर सकती हूं : भूमि

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब चर्चा में चलती रहती हैं। अभिनेत्री की पिछली फिल्म भक्षक दर्शकों को खूब पसंद आई थी। यह फिल्म फ्लॉप की कतार में अभिनेत्री के लिए संजीवनी साबित हुई थी। अब हाल ही में, भूमि ने खुलासा किया कि कैसे उन्हें ड्रेसेस के साथ खेलने में मजा आता है और उन्होंने इसे अपना कॉलिंग कार्ड बनाने के लिए फैशन की ओर रुख किया। बॉलीवुड स्टार भूमि पेडनेकर अपने स्टाइल स्टेटमेंट और अपनी शानदार ड्रेस चॉइस से मीडिया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही हैं। भूमि ने मुंबई की एक युवा लड़की के रूप में फैशन के प्रति अपने प्रेम को अपनाया है और अब वह एक के बाद एक फैशन की दुनिया में धूम मचा रही हैं। भूमि ने हाल ही में, एक इंटरव्यू में कहा, जब मैं बड़ी हो रही थी, मुझे आत्मविश्वास महसूस करने में कठिनाई होती थी, खासकर अपनी बॉडी को अपनाने में सबसे ज्यादा दिक्कत हुई थी, लेकिन इसे परिभाषित करने की बजाय, मैंने फैशन की ओर रुख किया। जैसे-जैसे मैं बड़ी होती गई, सुंदरता और फैशन के बारे में मेरा रिश्ता और समझ विकसित हुई है। उन्होंने आगे कहा, यह अब सिर्फ अच्छा दिखने या रुझानों का पालन करने के बारे में नहीं है। यह मेरे व्यक्तित्व को अपनाने के बारे में है। मेरे लिए आज फैशन और सुंदरता एक ऐसा माध्यम बन गया है, जिसके जरिए मैं खुद को रिप्रजेंट कर सकती हूं और अपनी मनः स्थिति को व्यक्त कर सकती हूं! भूमि का फैशन सेंस इस बात का एक आदर्श उदाहरण है कि फैशन कैसे ग्लैमरस और टेस्टफुल दोनों हो सकता है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे प्रयोग करना पसंद है। मैं बस फैशन के साथ मजा लेना चाहती हूं और मुझे लगता है कि मैं इसे पूरे दिल से कर रही हूं। यही कारण है कि लोग मेरे फैशन-फॉरवर्ड बदलाव की सराहना कर रहे हैं।

बोलीं- लोग मेरे फैशन-फॉरवर्ड बदलाव की करते हैं सराहना

बॉलीवुड | मन की बात

बतौर मां मुझसे कई गलतियां हुई हैं: शर्मिला टैगोर

बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा शर्मिला टैगोर अभिनेत्री होने के साथ-साथ एक प्यारी सी मां भी हैं। उन्होंने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। पिछले दिनों मदर्स डे पर कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बतौर मां कई बाते कहीं। साथ ही साथ वे सैफ अली खान के बचपन से जुड़े कई बातों का भी खुलासा करती नजर आईं। शर्मिला टैगोर बॉलीवुड सुपरस्टार सैफ अली खान की मां हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, जिन दिनों मैं मां बनी उन दिनों मैं दो शिफ्ट में काम किया करती थी। मुझे ऐसा लगता है कि सैफ के जन्म के बाद मैं फुलटाइम मां नहीं बन पाई थी। मेरे पति उनके लिए मौजूद थे, लेकिन मैं काम की वजह से घर पर कम ही रहती थी। शर्मिला टैगोर मदर्स डे कार्यक्रम में बोलते हुए आगे बताती हैं, जब मैंने सैफ को जन्म दिया था उस समय मेरे पास बहुत काम था। मैं काफी व्यस्त थी। मुझे लगता है कि बतौर मां मुझसे कई गलतियां हुई हैं। उनके जीवन के पहले छह वर्षों तक मैं शायद उनके जीवन में अनुपस्थित थी। मुझसे जितना हो पाया उतना मैंने किया। मैं उनके अभिभावक-शिक्षकों की मीटिंग में गई, उनके स्पोर्ट्स डे में भी शामिल हुई, लेकिन मुझे लगता है मैं और ज्यादा हिस्सा नहीं बन पाई। शर्मिला टैगोर के तीन बच्चे हैं। बाद में उन्होंने फिल्मों में काम करना कम कर दिया था। शर्मिला टैगोर बताती हैं, एक समय ऐसा भी आया जब मैं ओवर-प्रोटेक्टिव मां बन गई थी। मुझे सैफ को नहलाने से लेकर खाना खिलाना, सुलाना सब होता था। मैं समय निकाल कर उनके लिए सब करने की कोशिश करती थी। मेरे पति ने मुझे काफी सपोर्ट किया था। बाद में जब बेटियां हुई तब मैं इतनी व्यस्त नहीं थी। उनके बचपन में मैं वहां उनके लिए मौजूद थी।

अपने मवेशियों को चराने के समय लकड़ी के डंडों पर चलते हैं यहां के लोग

दुनिया में कई ऐसी जनजातियां हैं जिनके तौर-तरीके लोगों को भले ही अलग लगें, पर ये अपनी मान्यताओं और रिवाजों को कायम रखे हुए हैं। ऐसी एक जनजाति अफ्रीका में रहती है। इस जनजाति के लोग लकड़ी के डंडों पर चलते हैं। पर सोचने वाली बात ये है कि आखिर ये ऐसा क्यों करते हैं, वो पैरों पर चलने से क्यों बचते हैं? टेल्स ऑफ अफ्रीका वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार इथियोपिया में एक बन्ना जनजाति रहती है। इन्हें बेना, बान्या, या बेन्ना नाम से भी जाना जाता है। इनका मुख्य काम खेती करना, शिकार करना और मवेशियों को चराना है। इस जनजाति में से कुछ इस्लाम को मानते हैं, जबकि कुछ ईसाई मान्यता के हैं। इन लोगों को बांस की लकड़ियों पर चलने के लिए जाना जाता है। ऐसा वो सैकड़ों सालों से करते आ रहे हैं, ये हुनर पिछली कई पीढ़ियों से उन्हें दिया जा रहा है। पर वो ऐसा क्यों करते हैं, वो बाकी लोगों की तरह पैरों पर ही क्यों नहीं चलते? दरअसल, ये लोग ऐसा तब करते हैं जब अपने मवेशियों को चराने जाते हैं। कई बार मवेशियों पर जंगली जानवर हमला कर देते हैं। उनसे बचने के लिए ये लोग लकड़ी का सहारा लेते हैं। उसी पर चलकर ये मवेशियों को हंकाते हैं। हालांकि, सिर्फ यही एक कारण नहीं है कि ये लोग लकड़ियों पर चलते हैं। जब-जब जनजाति में कोई उत्सव मनाया जाता है, तब अविवाहित युवक शरीर पर सफेद धारियां बना लेते हैं और फिर इन लकड़ियों पर चलते हैं। इसपर चलने के कई सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व भी हैं। जब युवक इन लकड़ी के डंडों पर चलते हैं तो ये बड़ों को ये दिखाता है कि युवक अब समझदार हो गए हैं, और मन और तन से भी मजबूत हो चुके हैं। वो अब जिंदगी को आगे इसी प्रकार चला सकते हैं। दरअसल, इस लकड़ी के डंडों को पैरों से चलाने में बल के साथ-साथ संतुलन और दिमाग की भी काफी जरूरत पड़ती है।

अजब-गजब | एक ऐसा है पेड़ जो उल्टा खड़ा दिखाई देता है

जिनमें कैद हैं चार लड़कियां!

पेड़ों को आपने सीधा खड़ा देखा होगा। नीचे जड़ें और ऊपर पत्तियां। लेकिन एक पेड़ ऐसा भी है, जो देखने से लगता है कि जड़ें ऊपर हैं और तना नीचे। इसलिए इसे उल्टा पेड़ कहा जाता है। कहते हैं कि इस पेड़ में 4 लड़कियां कैद हैं। इसके पीछे की कहानी बेहद दिलचस्प है। अब वैज्ञानिकों ने इस पेड़ की उत्पत्ति का रहस्य सुलझा लेने का दावा किया है। धरती पर रहस्यमयी चीजों की कोई कमी नहीं। अब प्राचीन बाओबाब पेड़ों को ही ले लीजिए। सदियों से ये वैज्ञानिकों के लिए पहली बने हुए थे। क्योंकि जहां आम पेड़ों में ऊपर की ओर पत्तियां होती हैं, वहीं बाओबाब पेड़ों को देखने से लगता है कि जड़ें ऊपर हैं और तना नीचे। पतझड़ के मौसम में बाओबाब पेड़ उल्टा खड़ा दिखाई देता है। इसलिए इसे उल्टा पेड़ भी कहते हैं। लेकिन इसका एक और नाम है, और वह है जीवन का पेड़। अब वैज्ञानिकों ने इसकी उत्पत्ति का रहस्य ढूंढ निकाला है। ये भी बताया है कि यह पेड़ दुनिया के अन्य हिस्सों तक कैसे पहुंचा। इसकी खासियत क्या क्या है। इन पेड़ों के फल और पत्तों का दवाओं के रूप में इस्तेमाल होता है। ये पेड़ काफी विशाल होते हैं। कुछ तो इतने बड़े होते हैं कि उनके तनों में एक लाख लीटर तक पानी भरा जा सकता है। इसके बड़े सफेद फूल रात को खिलते हैं। इसलिए रात को जगने वाले तमाम कीट इस पर बैठे रहते हैं। इन पेड़ों की उम्र काफी लंबी होती है। कुछ तो 6000 साल तक जिंदा रहते

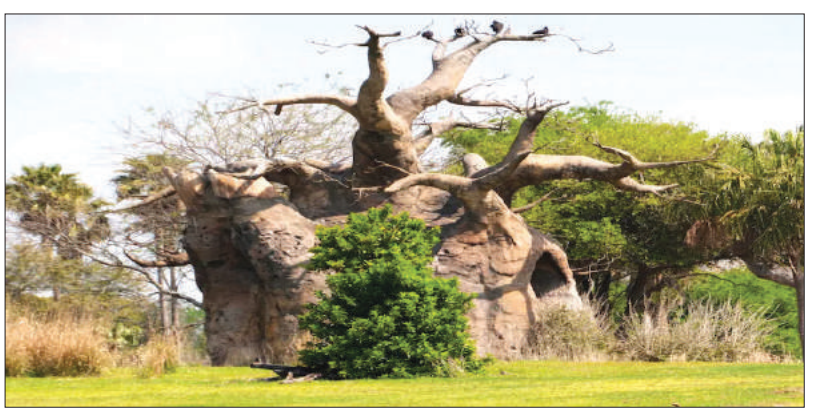

हैं। जिम्बाब्वे में एक प्राचीन खोखला बाओबाब पेड़ इतना बड़ा है कि इसके तने के अंदर 40 लोग आश्रय ले सकते हैं। ये 20 से 100 फीट तक ऊंचे हो सकते हैं। मध्य प्रदेश के प्राचीन शहर मांडू में भी इसके हजारों पेड़ हैं। बाओबाब पेड़ों के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि इन पेड़ों के नीचे 4 लड़कियां रहती थीं। उन्हें जब इंसानों से प?यार हुआ, तो पेड़ को जलन महसूस हुई। उसे गुस्सा आ गया। और बदले में उसने लड़कियों को कैद कर लिया। कहते हैं तभी ये ये चारों लड़कियां पेड़ों के अंदर कैद हैं। इसीलिए यह इतना मोटा होता है। ये भी कहते हैं कि आज भी इन पेड़ों से उन लड़कियों की आवाजें आती हैं। अफ्रीका में इन पेड़ों की सांस्कृतिक रूप से बहुत मान्यता है। लोग पूजा-पाठ में भी इनका इस्तेमाल करते हैं। स्थानीय लोग इन्हें जंगल की मां भी कहते हैं। इनके फलों को सुपरफूड माना जाता है। इनके तनों का उपयोग फाइबर बनाने के लिए किया जाता है, जिनसे रस्सियां और कपड़े बनाए जाते हैं। पता चला कि इस पेड़ के बीज हिन्द महासागर में गिरे और वहां से तैरते हुए करीब एक करोड़ साल पहले ऑस्ट्रेलिया और फिर अफ्रीका पहुंच गए। ये पेड़ हजारों वर्षों तक जीवित रह सकते हैं, विशाल आकार तक बढ़ सकते हैं और शुष्क मौसम में जीवित रहने के लिए अपने तनों में बड़ी मात्रा में पानी जमा कर सकते हैं।

दिव्यांग लवली को मिला अडानी का सहारा

» अडानी फाउंडेशन ने लिया इलाज-पढ़ाई का जिम्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर की आठ साल की दिव्यांग लवली को उद्योगपति गौतम अडानी ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। यह जानकारी अडानी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर दी है। बच्ची को यह सहारा अडानी फाउंडेशनकी ओर से मिला है। अब फाउंडेशन न सिर्फ लवली का समुचित इलाज कराएगा, बल्कि उसकी पढ़ाई की जिम्मेदार भी ले ली है। इससे लवली बेहद खुश है और वह कहती है कि अब वह ठीक होकर अन्य बच्चों की तरह गेंद खेलने लगेगी। गोला गोकर्णनाथ तहसील के दूरदराज के गांव कंधरापुर की मासूम लवली की कहानी बेहद दर्द भरी है।

वह महज सात महीने की थी, तभी उसकी मां किस्मती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पिता धर्मवीर कुछ महीने बाद ही दूसरी शादी कर घर से अलग रहने लगा। लवली को उसके 65 वर्षीय बाबा ओमप्रकाश सिंह और

दादी उर्मिला ने पाला पोसा, लेकिन वह कभी अपने पैरों पर ठीक से नहीं खड़ी हो पाई। अडानी फाउंडेशन की टीम ने कंधरापुर पहुंचकर अपने साथ लवली और उसके बाबा-दारी को शुक्रवार को लखनऊ लेकर रवाना हो गई है।

फेसबुक पर वायरल हुई थी वीडियो

इधर, फेसबुक पर लवली की दिव्यांगता का एक वीडियो और उसकी मार्मिक कहानी वायरल हुई, जिसे उद्योग जगत की शख्सियत गौतम अडानी ने देखा और वह द्रवित हो गए। उन्होंने लवली के इलाज और पढ़ाई का जिम्मा लेने की ठान ली। इस अडानी फाउंडेशन ने गांव आकर उसके बाबा-दादी से मिला और उन्हें पूरी जानकारी दी। लवली के बाबा-दादी यह जानकार बहुत खुश हैं।

गौतम अडानी ने ट्विट कर कहा- बेटी का बचपन यूं छिन जाना दुखद

गौतम अडानी ने एक्स पर कहा, एक बेटी का बचपन यूं छिन जाना दुखद है! छोटी-सी उम्र में लवली और उसके दादा-दादी का संघर्ष बताता है कि एक आम भारतीय परिवार कभी हार नहीं मानता। अडानी फाउंडेशन यह सुनिश्चित करेगा की लवली को बेहतर इलाज मिले और वो भी बाकी बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ सके। हम सब लवली के साथ हैं।

लवली का जन्म से ही बायां हाथ और पैर टेढ़ा है

लवली का जन्म से ही बायां हाथ और पैर टेढ़ा है, जिसके चलते उसे चलने-फिरने में परेशानी होती है। लवली के बाबा-दादी ने उसका काफी इलाज कराया, लेकिन वह ठीक नहीं हो सकी। लवली तीन साल की हुई तो गांव के सरकारी स्कूल में दाखिला भी करा दिया। अब वह पांचवी कक्षा की छात्रा है और पढ़ाई में खूब मन लगाती है। बाबा ओमप्रकाश सिंह कहते हैं उनकी मंशा पोती को पढ़ा लिखाकर बड़ा अफसर बनाने की है।

सरकार के दावों के विपरीत हैं पुंछ-राजोरी में आतंकी घटनाएं : इल्तिजा मुफ्ती

» मां महबूबा के लिए मांगा वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। महबूबा मुफ्ती की बेटी और उनकी मीडिया सलाहकार इल्तिजा मुफ्ती इन दिनों पुंछ और राजोरी में के क्षेत्रों में चुनाव प्रचार कर रही हैं। यह क्षेत्र अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट का हिस्सा है, जिस पर महबूबा मुफ्ती पीडीपी की उम्मीदवार के तौर पर मैदान में हैं। पीडीपी की तरफ से पुंछ में जगह-जगह रोड शो, नुक्कड़ सभाएं की जा रही है। खास बात यह है कि स्थानीय लोगों के साथ जुड़ने के लिए इल्तिजा मुफ्ती स्थानीय भाषा में ही संबोधन कर रही हैं। उनका कहना है कि वह अमन का पैगाम लेकर इस क्षेत्र में आई हैं और उनकी पार्टी बांटने की राजनीति नहीं करती है। साथ ही वह भाजपा पर भी लगातार निशाना साध रही हैं।

एक चुनावी कार्यक्रम के दौरान इल्तिजा ने कहा कि पुंछ और राजोरी के इलाकों में एक बार फिर आतंकी गतिविधियां बढ़ गई हैं और यह आतंकी घटनाएं केंद्र सरकार के हालात सामान्य होने के बयान पर प्रश्न चिन्ह लगा रही हैं। इल्तिजा ने अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट के लिए मतदान की तारीख 7 मई से 25 मई तक पुनर्निर्धारित करने पर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि यह महबूबा मुफ्ती के खिलाफ वोटों में हेरफेर करने के लिए किया गया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर भाजपा के प्रॉक्सी उम्मीदवार के पक्ष में वोटों को प्रभावित करने

के लिए स्थानीय अधिकारियों को निर्देश देने का आरोप लगाया। उन्होंने टिप्पणी की, शीर्ष अधिकारियों की ओर से पहाड़ी समुदाय के अधिकारियों को निर्देश दिए जा रहे हैं कि वे महबूबा मुफ्ती को वोट न दें।

भाजपा मुसलमानों को निशाना बना रही : उमर अब्दुल्ला

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। बांदीपोरा क्षेत्र बारामुला लोकसभा सीट का हिस्सा है। उमर ने कहा , मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है, अगर मुसलमान हिंदुओं के गहने चुरा लेंगे, वे हिंदुओं की जमीन ले लेंगे,चुनाव मोदी और राहुल गांधी और विकास और जिहाद के बीच है, मानो मुसलमान जिहाद के अलावा कुछ नहीं जानते...तो क्या हम विकास में हिस्सा नहीं लेना चाहते? बारामुला लोकसभा सीट पर 20 मई को मतदान होने जा रहा है। इस सीट पर मुकाबला उमर अब्दुल्ला, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद लोन और जेल में बंद इंजिनियर राशिद के बीच माना जा रहा है।

कन्हैया पर भाजपा के 'गुंडों' ने हमला किया : वेणुगोपाल

» बोले- हताशा का प्रमाण है गुंडागर्दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा एक बार फिर गुंडागर्दी और हिंसा के अपने चिरपरिचित रवैये का सहारा ले रही है। हमारे उत्तर-पूर्वी दिल्ली के उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर भाजपा के गुंडों द्वारा किया गया कायरतापूर्ण हमला बेहद निंदनीय है और उनकी हताशा को दर्शाता है। कांग्रेस ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से अपने उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर हुए हमले की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी से जुड़े 'गुंडों' ने इस घटना को अंजाम दिया है क्योंकि इस चुनाव में हार को देखते हुए सत्तारूढ़ पार्टी हताशा में हिंसा पर उतर आई है।

पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि इस तरह के हमले

से कन्हैया घबराने वाले नहीं हैं तथा 'इंडिया' गठबंधन का हर कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''ऐतिहासिक हार को देखते हुए भाजपा एक बार फिर गुंडागर्दी और हिंसा के अपने चिरपरिचित रवैये का सहारा ले रही है। हमारे उत्तर-पूर्वी दिल्ली के उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर भाजपा के गुंडों द्वारा किया गया कायरतापूर्ण हमला बेहद निंदनीय है और उनकी हताशा को दर्शाता है।

विकास और सुशासन के मुद्दे पर बहस करे भाजपा : अभिषेक

» बोले- हम आराम से विजयी होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने विकास और सुशासन के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सार्वजनिक बहस की चुनौती दी। अभिषेक बनर्जी ने हुगली से निवर्तमान भाजपा सांसद और पार्टी उम्मीदवार लॉकेट चटर्जी को निर्वाचन क्षेत्र में वास्तविक विकास कार्यों को लेकर उनसे बहस करने की चुनौती दी। उनके साथ टीएमसी की हुगली उम्मीदवार रचना बनर्जी भी थीं।

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के धनियाखाली में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा, भाजपा का दावा है कि उसने बहुत काम

किया है। उन्हें एक श्वेत पत्र पेश करना चाहिए। मैं उन्हें (लॉकेट चटर्जी) चुनौती देता हूं कि वहकाम के 'रिपोर्ट कार्ड' के साथ मेरे सामने आएं। हम आराम से विजयी होंगे। टीएमसी नेता ने कोविड-19 महामारी के दौरान राज्य में उनकी अनुपस्थिति पर भी सवाल उठाया। उन्होंने मोदी पर 2019 के लोकसभा चुनावों में चुनावी लाभ के लिए पुलवामा आतंकवादी हमले का फायदा उठाने का आरोप लगाया। अभिषेक बनर्जी ने आगाह किया कि भाजपा का एजेंडा चुनावी लक्ष्यों के अलावा भी है। उन्होंने भाजपा पर क्या खाना है और क्या पहनना है जैसी व्यक्तिगत पसंद पर भी हस्तक्षेप करने की कोशिश का आरोप लगाया।

'इंडिया' की जीत में टीएमसी अहम भूमिका निभाएगी

उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की जीत का भी विश्वास जताया जिसमें टीएमसी अहम भूमिका निभाएगी। टीएमसी महासचिव ने विलासिता की वस्तुओं की तुलना में आवश्यक वस्तुओं पर असंगत जीएसटी दरों को रेखांकित करते हुए केंद्र सरकार की कर नीतियों की आलोचना की। उन्होंने भाजपा को अमीरों का पक्षधर बताते हुए कहा, ''भाजपा जीरे पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाती है, जबकि समृद्धि के प्रतीक हीरे पर बमुश्किल कर लगता है।'' अभिषेक बनर्जी ने भाजपा के कार्यकाल में उच्च मंहगाई दर की निंदा की और दावा किया कि दूध, एलपीजी गैस, केरोसिन और दालें जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमत प्रभावित हो रही है। टीएमसी महासचिव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते हुए उन्हें एक बाहरी व्यक्ति बताया, जो केवल चुनावों के दौरान दिखाई देते हैं।

लखनऊ की जीत के साथ आईपीएल से विदाई

» एलएसजी से हारने के बाद मुंबई का सफर खत्म

» आईपीएल के अपने अंतिम लीग मैच में सुपरजायंट्स ने 18 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मुकाबले में लखनऊ ने मुंबई को 18 रन से हरा दिया। इसके साथ ही मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2024 में सफर खत्म हो गया है। इस दौरान निकोलस पूरन (29 गेंद में 75) और कप्तान लोकेश राहुल (41 गेंद में 55) के बीच 44 गेंद में 109 रन की साझेदारी बनी।

एलएसजी ने छह विकेट पर 214 रन बनाने के बाद रोहित शर्मा (38 गेंद में 68 रन) और नमन धीर (28 गेंद में नाबाद 62 रन) की अर्धशतकीय पारियों के बाद भी मुंबई को छह विकेट पर 196 पर रोक दिया। इस हार के बाद यह तय हो गया कि मुंबई की टीम 14 मैचों में सिर्फ चार जीत के साथ आखिरी पायदान पर रहेगी। एलएसजी का अभियान 14 मैचों में सात जीत के साथ खत्म हुआ। लखनऊ की टीम तालिका में छठे पायदान पर है। टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम के दृष्टिकोण से रोहित का लय में आना अच्छी खबर है।

पूरन और केएल राहुल ने दिखाया दम

एलएसजी के लिए रवि बिश्नोई और नवीन अल हक ने दो-दो विकेट लिये। कृणाल पंड्या और मोहसिन खान को एक-एक सफलता मिली। मैन ऑफ द मैच पूरन ने 75 रन के लिए महज 27 गेंदों का सामना किया और अपनी ताबड़तोड़ पारी में पांच चौके और आठ छक्के जड़ते हुए मुंबई की टीम की बॉलिंग की धज्जीयां उड़ा दी जो जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में काफी कमजोर नजर आ रही थी। तो वही राहुल ने पूरन का साथ देते हुए 41 बाल पर 55 रन बनाए जिसमें तीन चौके और इतने ही छक्के लगाये जिससे एलएसजी 10वें ओवर में 69 रन तीसरा विकेट गंवाने के बावजूद बड़ा स्कोर करने में सफल रही। आखिरी ओवरों में आयुष बडोनी (10 गेंद में नाबाद 22) और कृणाल पंड्या (सात गेंद में नाबाद 12) ने सातवें विकेट के लिए 17 गेंदों में 36 रन की अटूट साझेदारी कर मुंबई की मुश्किलें और बढ़ा दी।

पीएम को जनता से कोई वास्ता नहीं : राहुल

» चार जून को देश में इंडिया गठबंधन की सरकार होगी

बोले- जब चाहूंगा तब मोदी से अपना नाम बुलवा दूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। रायबरेली के आईटीआई मैदान में आयोजित सेवा संकल्प सभा में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक के बाद एक तीखे हमले किए और अपनी सरकार बनने पर देशवासियों को सौगात देने की बात कही। भीड़ का उत्साह देख राहुल ने कहा कि इतने बब्बर शेर कभी नहीं देखे। आज देश में बेरोजगारी, महंगाई मुद्दे हैं, लेकिन नरेंद्र मोदी का इससे कोई वास्ता नहीं है। वह थाली बजाओ, मोबाइल की लाइट जलाओ। यही काम जनता से कराते रहे। पीएम ने कहा कि मैं अदाणी और अंबानी का नाम नहीं लेता हूं। दो दिन बाद मोदी ही उनके नाम लेने लगे। आप लोग बताओ मुझे नरेंद्र मोदी से क्या बुलवाना है, वह मैं बुलवा दूंगा। इस चुनाव नरेंद्र मोदी हार स्वीकार कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री चार जून को नहीं रहेंगे। इसके कई कारण हैं। उन्होंने हिंदुस्तान के गरीब लोगों का अपमान किया है। यूपीए की सरकार थी तो किसानों का कर्जा माफ किया था, जबकि इन्होंने किसानों के लिए काले कानून बनाए। श्रमिकों के साथ अन्याय किया। कोरोना के समय इनकी वजह से हजारों किमी मजदूर पैदल चलने को मजबूर हुए। वहीं देश के प्रधानमंत्री ताली और थाली बजवा रहे थे। चार जून को देश में इंडिया गठबंधन की सरकार होगी। राहुल ने रायबरेली और अपने परिवार के रिश्ते का भी जिक्र किया। कहा कि हमारे परिवार का रायबरेली से 100 साल पुराना रिश्ता है। मैं सच्चाई बोलता हूं, जो कहता हूं वह करके दिखाता हूं। कन्याकुमारी से चार हजार किमी. चलकर नफरत में मोहब्बत की दुकान खोली है।

रायबरेली देश को सत्ता परिवर्तन के लिए दे रहा आवाज : प्रियंका

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि पूरा देश देख रहा है कि समाजवादी और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक सैलाब बन गए हैं। पूरे देश को दिखाया है कि पूरे दिल से आप लगे हैं। परिश्रम किया है। यह रायबरेली क्षेत्र है। मेरे परिवार का रायबरेली से गहरा रिश्ता रहा है। इस रिश्ते को अटूट बनाने के लिए राहुल गांधी मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि 10 साल से गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं परेशान हैं। जन-जन की पुकार थी कि आपकी सुनवाई हो, लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार में कोई सुनवाई नहीं हुई। आज इस देश में आंधी उठी है कि सत्ता से तानाशाही सरकार को हटाया जाए। रायबरेली की जनता ने 100 साल पहले आवाज उठाई थी। एक बार फिर रायबरेली देश को सत्ता परिवर्तन के लिए आवाज दे रहा है। उन्होंने जनता से भाई राहुल गांधी को चुनाव जिताने की अपील की।

राहुल रायबरेली को निराश नहीं करेगा : सोनिया

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली को संबोधित करते हुए रायबरेली की जनता को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मेरा आंचल आपके प्रेम और आशीर्वाद से जीवनभर भरा रहा। आपके प्रेम ने मुझे कभी भी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका दिया हुआ है। मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं। जैसे आपने मुझे अपना माना वैसे ही आपको राहुल को अपना मान कर रखना है, राहुल आपको निराश नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेठी-रायबरेली से हमारा रिश्ता 103 साल पहले किसान आंदोलन के समय से शुरू होता है और अब मैं अपना राहुल आपको सौंप रही हूं। इस दौरान सोनिया गांधी के साथ मंच पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। गंगा मां की माटी से रिश्ता रहा है। इंदिरा जी के दिल में रायबरेली के लिए एक अलग जगह थी। उनके मन में आपके प्रति असीम लगाव था। मैंने राहुल और प्रियंका को वही सीख दी है जो इंदिरा जी ने मुझे दी थी। सबका आदर करो। न्याय और अधिकार की रक्षा के लिए जिससे भी लड़ना पड़े उससे लड़ो। आपके प्रेम ने मुझे कभी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका है।

रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे राहुल गांधी : सपा प्रमुख

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा जनसमर में बड़ी संख्या में सभी पदाधिकारी दिखाई दे रहे हैं। जहां से मैं चला हूं। लगातार सड़कों पर सैलाब दिखाई दे रहा है। पंडाल के बीच लोग दिखाई दे रहे हैं। यह जनसैलाब फैसला कर रहा है कि राहुल गांधी न केवल जीतेंगे बल्कि रिकार्ड जीत होगी। रायबरेली की यही राय है कि भाजपा यहां से जाए। देश के एक नेता हैं जो हर जगह अपना झूठा रिश्ता निकाल लेते हैं। वह भी देख लें और सुन लें कि राहुल का सच्चा रिश्ता रायबरेली से है।

सुकमा में पुलिस की मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में टेटराई तोलनाई के जंगल में आज सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। पुलिस ने भारी मात्रा में विस्फोटक व अन्य नक्सली सामाग्री भी बरामद की है। मामले की जानकारी देते हुए सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि नक्सलियों की एक पार्टी जंगल मे मौजूद है।

जिसके बाद पुलिस को तोलनाई एवं टेटराई के बीच जंगल पहा?ी में भेजा गया। जैसे ही पुलिस टीम वहां पहुंची पहले से घात लगाए नक्सलियों ने उनपर हमला कर दिया। पुलिस के द्वारा भी जवाबी कार्रवाई की गई।

4 जून के बाद होगा गठबंधन का पीएम : दिग्विजय

» यूपी कांग्रेस कार्यालय में की प्रेस वार्ता, पीएम मोदी को भी घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा है 4 जून के बाद देश में इंडिया गठबंधन का प्रधानमंत्री घोषित हो जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि चुनाव के 48 घंटे बाद देश को इंडिया गठबंधन की ओर पीएम मिल जाएगा। ये बाते कांग्रेस नेता ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान कही।

उन्होंने पीएम मोदी व बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि मैने अपने 50 साल के राजनीतिक जीवन में इस तरह से झूठ बोलने वाला पीएम नहीं देखा। इस अवसर पर कांग्रेस नेता अभय दुबे, सीपी राय समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आगरा में गर्मी ने छुड़ाए पसीने, प्रदेश में चल रहे लू के थपेड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मौसम की तपिश ने पना असर दिखाया और प्रदेश में कहीं-कही लू चली तो कहीं लू जैसे हालात रहे। देश में सर्वाधिक गर्म उत्तर प्रदेश का शहर आगरा रहा। 21 मई तक तेज गर्म व शुष्क हवाएं बेहाल करती रह सकती हैं। इस दौरान हवा की रफ्तार 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक हो सकती हैं। हालांकि 21 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं गरच-चमक के साथ हल्की बौछारें पड़ सकती हैं, लेकिन इससे गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

आगरा का अधिकतम तापमान 46.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। लू और धूप की तपिश ने दिन भर लोगों को बेहाल किया।

श्रद्धालुओं से भरी बस में लगी आग, नौ की मौत

» हरियाणा में एक्सप्रेसवे पर हुआ हादसा, मथुरा और वृंदावन दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु

» बस में सवार थे 60 से अधिक लोग, दो दर्जन से अधिक झुलसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तावडू। तावडू उपमंडल की सीमा से गुजर रहे कुंडली मानेसर पलवल एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार-शनिवार की रात श्रद्धालुओं से भरी बस में अज्ञात कारणों से आग लग गई। बस में सवार नौ लोग जिंदा जल गए जबकि दो दर्जन से अधिक बुरी तरह झुलस गए। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया है।

चलती बस में आग की लपटें देख स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास करते हुए पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पा लिया। हादसे के शिकार लोग पंजाब और चंडीगढ़ के रहने वाले बताए गए हैं जो मथुरा और वृंदावन दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस जांच में जुट गई है। बस में सवार पीड़ति श्रद्धालु सरोज पुंज व पूनम ने बताया कि बीते शुक्रवार को एक टूरिस्ट बस किराए पर कर बनारस और मथुरा वृंदावन दर्शन के लिए निकले थे। बस में 60 लोग सवार थे जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। यह सभी नजदीकी रिश्तेदार थे जो पंजाब के लुधियाना, होशियारपुर और चंडीगढ़ के रहने वाले थे। शुक्रवार-शनिवार की रात वह दर्शन कर वापस लौट रहे थे। देर रात डेढ़ बजे के करीब बस में आग की लपटें दिखाई दीं। उन्होंने बताया कि वह आगे की सीट पर बैठी हुई थीं। किसी तरह स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उन्हें निकाल लिया गया।

साबिर, नसीम, साजिद व एहसान ने बचाई कई लोगों की जान

घटनास्थल पर मदद के लिए पहुंचे ग्रामीण साबिर,नसीम, साजिद, एहसान आदि ने बताया कि देर रात करीब 1:30 बजे एक चलती बस में उन्हें आग की लपटें दिखाई दी। उन्होंने आवाज लगाकर चालक को बस रोकने को कहा लेकिन बस नहीं रुकी। फिर एक युवक ने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बस का पीछा किया और चालक को आग लगने सूचना दी। इसके बाद बस रुकी लेकिन तब तक बस में आग काफी तेज हो चुकी थी। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का भरसक प्रयास किया। साथ ही पुलिस को भी सूचना दी। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी बहुत देर से पहुंची। तब तक बस में सवार लोग बुरी तरह झुलस चुके थे जिनमें आठ की मौत हो गई। तावडू सदर थाना पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भिजवाया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।